स्वीकारोक्ति का साहस एवं सुधार करने की निष्ठा सफलता के दो मंत्र है

"[illegible], [illegible]"

- [illegible]

मंडेला के शब्द सफलता के सार को प्रतिध्वनित करते हैं, यह एक ऐसी यात्रा है जो **सफलता और कष्ट** दोनों से भरी है। महत्त्वाकांक्षा और प्रतिभा हमें आगे बढ़ाती हैं, जबकि सच्ची प्रगति दो परस्पर जुड़ी हुई कुंजियों - स्वीकार करने का साहस और सुधार के प्रति समर्पण - से ही पनपती है।

साहस का अर्थ है **डर का सामना करना और परिस्थितियों को स्वीकार करना,** जबकि समर्पण निरंतर सुधार को प्रेरित करता है। साहस का अर्थ डर का सामना करना तथा कमज़ोरियों को स्वीकार करना है। इसके लिये वर्तमान परिस्थितियों को स्वीकार करना एवं असफलता को एक बाधा के बजाय एक कदम के रूप में देखना आवश्यक है। समर्पण निरंतर सुधार को बढ़ावा देता है, लचीलापन व अनुशासन को बढ़ावा देता है। यह विकास की मानसिकता पैदा करता है, तत्काल संतुष्टि पर दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राथमिकता देता है।

साहस और समर्पण मिलकर एक मज़बूत साझेदार बनते हैं, **जो जीवन की यात्रा के उतार-चढ़ाव के दौरान व्यक्तियों का मार्गदर्शन** करते हैं, जैसा कि इतिहास में अनेक कहानियों तथा उदाहरणों से स्पष्ट होता है:

उदाहरण के लिये **थॉमस एडिसन** ने कहा था, "मैं असफल नहीं हुआ हूँ। मैंने सिर्फ 10,000 ऐसे तरीके खोजे हैं जो काम नहीं करेंगे।" उनकी दृढ़ता और साहस तथा समर्पण के माध्यम से असफलता को नए सिरे से परिभाषित करने के कारण क्रांतिकारी आविष्कार हुए।

जे.के. रोलिंग की हैरी पॉटर की पुस्तक के लिये प्रारंभिक अस्वीकृति यह दर्शाती है कि सफलता का मार्ग कभी भी सीधा नहीं होता। अप्रत्याशित बाधाएँ और चुनौतियाँ विकास के लिये उत्प्रेरक हो सकती हैं, यदि असफलता का सामना करने का साहस तथा निरंतर सुधार के प्रति समर्पण दिखाया जाए।

एकलव्य की प्रसिद्ध कथा के अनुसार, वह न केवल अपने गुरु के प्रति अटूट निष्ठा प्रदर्शित करता है, बल्कि अपने गुरु के इनकार और उसके बाद **अर्जुन** द्वारा अपमानित होने सहित अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करने में उल्लेखनीय साहस भी प्रदर्शित करता है। इन चुनौतियों के बावजूद, एकलव्य सीखने तथा अपने कौशल में सुधार करने के प्रति अटूट समर्पण प्रदर्शित करता है।

राजनीतिक क्षेत्र में **मलाला यूसुफजई** जैसे व्यक्ति साहस की भावना का प्रतीक हैं। **तालिबान की धमकियों** से विचलित हुए बिना, उन्होंने लड़कियों की शिक्षा के लिये लड़ने का साहस किया, जिससे एक वैश्विक आंदोलन शुरू हुआ, जो आज भी जारी है। लाइबेरिया की पहली महिला राष्ट्रपति **सरलीफ** को युद्धग्रस्त देश के पुनर्निर्माण में अपार चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आलोचना के बावजूद, उन्होंने साहसपूर्वक भ्रष्टाचार और आर्थिक अस्थिरता का सामना किया तथा अपने लोगों के लिये शासन, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने हेतु स्वयं को समर्पित कर दिया।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत का **"गरीबी हटाओ" आंदोलन,** देश की सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों को स्वीकार करने के साहस और अपने नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

भू-राजनीतिक संदर्भ में केवल तेल राजस्व पर निर्भर रहने की कमज़ोरियों को पहचानते हुए, **सऊदी अरब** ने विशेष रूप से पर्यटन, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढाँचे और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में महत्त्वाकांक्षी आर्थिक सुधार शुरू किये हैं। आर्थिक विविधीकरण को अपनाकर, सऊदी अरब परिवर्तन की आवश्यकता को स्वीकार करने में साहस का परिचय देता है तथा तेज़ी से विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में अपनी दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और लचीलेपन में सुधार लाने के लिये समर्पण दर्शाता है।

भू-राजनीतिक संदर्भ में केवल तेल राजस्व पर निर्भर रहने की कमज़ोरियों को पहचानते हुए, **सऊदी अरब** ने विशेष रूप से पर्यटन, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढाँचे और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में महत्त्वाकांक्षी आर्थिक सुधारों की शुरुआत की है। आर्थिक विविधीकरण को अपनाकर, सऊदी अरब ने**परिवर्तन की आवश्यकता को स्वीकार करने तथा तेज़ी से विकसित** हो रहे वैश्विक परिदृश्य में अपनी दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता एवं लचीलेपन को बेहतर बनाने के लिये समर्पण का साहस दिखाया है।

इसी तरह सामाजिक क्षेत्र **LGBTQ+ अधिकारों** की लड़ाई से जुड़ा हुआ है। **एडिथ विंडसर** की विवाह समानता की साहसी खोज, ऐतिहासिक, **यूनाइटेड**

स्टेट्स बनाम विडसर मामले में परिणत हुई, जिसने सामाजिक कलंक के सामने समर्पण की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित किया।

आर्थिक रूप से **1990 के दशक** में भारत के **LPG सुधार** आर्थिक गिरावट को स्वीकार करने के साहस और सुधार के प्रति समर्पण से प्रेरित साहसिक नीतिगत निर्णयों का उदाहरण हैं। व्यापार तथा निवेश को उदार बनाना, राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों का निजीकरण करना एवं वित्तीय क्षेत्र को विनियमित करना महत्त्वपूर्ण आर्थिक विकास का कारण बना, विदेशी निवेश को आकर्षित किया व उद्यमशीलता की संभावनाओं को उन्मुक्त किया।

पारिस्थितिकि परिदृश्य भी साहस और समर्पण की आवश्यकता को प्रतिध्वनित करता है। **भारत में चिपको आंदोलन** 1970 के दशक में वनों की रक्षा के लिये एक जमीनी स्तर पर प्रयास के रूप में शुरू हुआ था। पर्यावरण कार्यकर्त्ता **सुंदरलाल बहुगुणा** के नेतृत्व में तथा स्थानीय महिलाओं से प्रेरित होकर चलाए गए इस आंदोलन में वृक्षों को नष्ट होने से बचाने हेतु उन्हें गले लगाना शामिल था। इस साहसिक कार्य से न केवल जागरूकता बढ़ी, बल्कि वन प्रबंधन में समुदायों के अधिकारों को मान्यता देने वाली सरकारी नीतियों को भी जन्म दिया।

अंतरिक्ष क्षेत्र में **चंद्रयान-2** से जुड़ी असफलताओं के बावजूद, इसरो की चंद्रयान-3 की त्वरित घोषणा और स्पष्ट क्रियान्वयन, उसके अटूट साहस और समर्पण को दर्शाता है।

खेल जगत में **विराट कोहली** जैसे लोगों ने वर्ष 2014 में इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद अपनी कमियों को स्वीकार करने का साहस और सुधार के प्रति समर्पण का परिचय दिया। उन्होंने आलोचना को प्रेरणा में बदला, अपने कौशल को निखारा तथा भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

पेशेवर क्षेत्र में IAS अधिकारी **अशोक खेमका** एक प्रमुख उदाहरण हैं। धमकियों और तबादलों का सामना करने के बावजूद, उन्होंने सच्चाई तथा न्याय के प्रति अपने समर्पण में अडिग रहते हुए भूमि सौदों में भ्रष्टाचार की जाँच की।

हालाँकि साहस और समर्पण की खोज में, व्यक्तियों को अक्सर ऐसी बाधाओं का सामना करना पड़ता है जो उनकी प्रगति में बाधा डालती हैं और उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने की क्षमता को बाधित करती हैं। एक महत्त्वपूर्ण बाधा **भय** है - **असफलता, अस्वीकृति या अनिश्चितता का भय** व्यक्तियों को पंगु बना सकता है, उन्हें जोखिम लेने तथा अपने सुविधा क्षेत्र से बाहर कदम रखने से रोक सकता है। इसके अतिरिक्त **सामाजिक मानदंड एवं अपेक्षाएँ बाधाओं के रूप में काम कर** सकती हैं, व्यक्तियों की आकांक्षाओं पर सीमाएँ लगा सकती हैं व उन्हें अपने जुनून का पीछा करने से हतोत्साहित कर सकती हैं।

इसके अलावा **आत्म-संदेह और असुरक्षा व्यक्ति** के आत्मविश्वास तथा प्रेरणा को कमज़ोर कर सकती है, जिससे प्रतिबद्धता एवं दृढ़ता की कमी हो सकती है। इसके अलावा बाहरी दबाव व विकर्षण, जैसे **वित्तीय बाधाएँ या व्यक्तिगत दायित्व, व्यक्तियों का ध्यान व ऊर्जा को उनके लक्ष्यों से दूर कर** सकते हैं। इन बाधाओं को दूर करने के लिये **लचीलेपन, आत्म-जागरूकता, सीमित मान्यताओं और सामाजिक मानदंडों** को चुनौती देने की इच्छा की आवश्यकता होती है। आंतरिक शक्ति विकसित करके, दूसरों से सहायता प्राप्त करके तथा अपने मूल्यों, आकांक्षाओं के प्रति सच्चे रहकर, व्यक्ति इन बाधाओं को तोड़ सकते हैं तथा साहस, समर्पण के साथ अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकते हैं।

इसके अलावा, साहस और समर्पण की इस शक्तिशाली युगल को एक महत्त्वपूर्ण साथी “ज्ञान” की आवश्यकता होती है। बिना **आत्म-चिंतन, अनुकूलनशीलता तथा सीखने की इच्छा के बिना आँख मूंदकर आगे बढ़ना** अनपेक्षित परिणामों को जन्म दे सकता है। **मलाला के समर्थन** पर विचार करें तो यह शिक्षा से आगे बढ़कर व्यापक मानवाधिकार मुद्दों को शामिल करने के लिये विकसित हुआ, जिससे उनकी विकसित होती हुई बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन हुआ एवं हमेशा कुछ अतिरिक्त करने का लक्ष्य रखा।

"साधारण और असाधारण के बीच का अंतर बस कुछ अधिक है।" **- जिमी जॉनसन**

वास्तव में असाधारण सफलता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की कहानियाँ अक्सर **कुछ अधिक निवेश करने** की उनकी इच्छा को दर्शाती हैं, चाहे वह **डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** का "मिसाइल मैन" के रूप में भारत की अंतरिक्ष और रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिये अथक प्रयास हो, **मदर टेरेसा** का सबसे गरीब लोगों की सेवा करने हेतु निस्वार्थ समर्पण हो या फिर **लता मंगेशकर** का संगीत के प्रति बेजोड़ समर्पण हो, जो भारत की सबसे प्रतिष्ठित पार्श्व गायिकाओं में से एक बन गईं।

अंत में नेल्सन मंडेला का शक्तिशाली रूपक हमें याद दिलाता है कि **सफलता का मतलब गिरने से बचना नहीं है, बल्कि और अधिक ताकत तथा स्पष्टता के साथ उठ खड़ा होना** है। वास्तविकता को स्वीकार करने का साहस, सुधार के प्रति समर्पण एवं बुद्धिमत्ता द्वारा मार्गदर्शन, हमारे जीवन के सभी आयामों में सकारात्मक परिवर्तन की संभावनाओं को खोलता है।

"[illegible]" - [illegible]

to-success

दृष्टि The Vision